Vardhaman Mahaveer Open University
Rawatbhata Road, Kota (Raj.)

M.A. (FINAL) RAJASTHANI
एम.ए. (उत्तरार्द्ध)

Internal Assignment
Course Code MARJ-05 to 08
आतंरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य
पाठ्यक्रम – एमएआरजे 05 से 08

सत्र : 2013–2014

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय
रावतभाटा रोड़ कोटा (राजस्थान) 324021

वर्धमान महावीर खुला वि□वविद्यालय
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) राजस्थानी
आन्तरिक मूल्यांकन हेतु सत्रीय कार्य MARJ-05 to MARJ-08

प्रिय छात्र,

आपको एमएआरजे 05 से 08 तक पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रश्न पत्रों के सत्रीय कार्य भिजवाये जा रहे हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है :–

पाठ्यक्रम कोड़	**प्र□न पत्र का नाम**
एमएआरजे –05	**प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य**
एमएआरजे –06	**प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य**
एमएआरजे –07	**साहित्य□ास्त्र अर पाठालोचन**
एमएआरजे –08	**राजस्थानी भक्ति साहित्य**

आपके प्रश्न'पत्र में आपको सत्रीय कार्य करने हैं। इन्हे पूरा करके आप अन्तिम तिथि से पूर्व अपने क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक के पास स्वयं उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक से अवश्य भिजवा दें। प्रत्येक सत्रीय कार्य 20 अंक का है। दो श्रेष्ठ प्रश्नों के उत्तरों के प्राप्तांक आपकी सत्रांक परीक्षा के साथ जोड़े जायेंगे। सत्रीय कार्य स्वयं की हस्तलिपि में करें। तथ्यात्मक त्रुटियों को छोड़ कर सत्रीय कार्यों का पुनर्मूल्यांक नहीं होता है, और न ही इन्हे सुधारने हेतु दुबारा स्वीकार किया जाता हैं। अतः पहली बार में ही सर्वश्रेष्ठ उत्तर लिखें। प्रत्येक प्रश्न–पत्र के सत्रीय कार्य अलग–अलग फाईल में नत्थी करें।

विद्यार्थी प्रथम पृष्ठ पर निम्न सूचना अकिंत करें।

स्नात्कोत्तर उपाधि कार्यक्रम (राजस्थानी)
(एम.ए.) (उत्तरार्द्ध)

□□□□□□□□□□

स्कॉलर संख्या

छात्र का नाम ..... सत्रीय कार्य संख्या .....
पिता का नाम..... पाठ्यक्रम का कोड .....
पाठ्यक्रम का नाम .....
जमा करवाने का दिनांक .....अध्ययन केन्द्र का नाम.....
क्षेत्रीय केन्द्र का नाम .....
पत्र व्यवहार का पता.....

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 05 Course Code: MARJ – 05

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 नीचै लिख्या पद्यांस री सप्रसंग व्याख्या करो– 7

अरियण दावण! दीन अभयकर
पंडरवेस थया निब्भय धर।
बंभण बाळ बंदि बहु किज्जइ,
धा कमधज्ज धार करि लिज्जइ।।

अथवा

सुभट – शतैरति विकटं
पटु करटिघटाभिरूत्कंटकम्।
तन्नटयति रणमल्लो,
रणभुवि का वैरिणां गणना।।

2 'रणमल्ल छंद' रो कथासार लिखो अर इण रे रचेता अर रचनाकार बाबत आपरा विचार लिखो। 7

अथवा

ढ़ोला – मारू रा दूहा का कथा और सिल्प विवेचन पर अेक लेख लिखो।

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X 3

क. बीसलदेव रासो में कथानक रूढ़ियां
ख. 'कान्हड़दे प्रबन्ध' री कथा रो सार
ग. कुसललाभ रचनावां में लोकतत्व
घ. आसानंद बारहठ रो व्यक्तित्व अर कृतित्व

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 05 Course Code: MARJ – 05

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी काव्य

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 नीचै लिख्या पद्यांस री सप्रसंग व्याख्या करो– 7

केहरी केस भमंग–मणि सरणाई सुहडाँह।
सती पयोहर क्रपण धन पड़सी हाथ मुवाँह।।
मूवाँहिज पड़ैसी हाथ–भमंग–मणि।
गहड़ सरणांइयाँ ताहरै गैडसणि।।
काळ ऊभौ जसौ सकै नेड़ा करी।
कुण सती पयोहर मूछ लै केहरी।।

अथवा

सादूळौ आपा समौ वियौ न कोय गिणंत्त।
हाक विडाणी किम सहै घण गाजियै मरंत।।
मरे घण गाजियै जिकौ सादूळ महि।
सत्राँचा ढोल सिर सकै किम जसौ सहि।।
वयण घण साँभळै रहै किम वीसमौ।
सुपह सादळ कुणि गिणै आपा समो।।

2 'कान्हड़ दे प्रबंध' नै महाकाव्य मानां कै रासौ काव्य? विस्तार सूं समझावो।

अथवा

'बीसलदेव रासो' री प्रमाणिकता या अप्रमाणिकता नैं उदाहरणां सागै सिद्ध करो। 7

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X3

क कुशललाभ री रचनावां में चरित्र–विधान
ख हालाँ–झालाँ रा कुण्डळिया रा छन्द व अलंकार पख
ग. ढ़ोला मारू रा दूहा रो सिल्प–सौदंर्य
घ. अल्लूजी रो कृतित्व

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 06 Course Code: MARJ – 06

प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 नीचै लिखी वचनिका री सप्रसंग व्याख्या करो– 7

जपइ तुहाळइ काळि डहडहिया डम्मरू तणा।
छाडे असुर सु आळि तइ वा भारथि वीस–हथि।।
रामइण ही राम कीयउ जे कीयउ जे हूंती कन्हइ।
सकति विहूणउ विढण न कोयइ वीस–हथि।।

2 राजस्थानी वात रै सरूप नैं समझावता हुया सिद्ध करा के 'कुंवरसी सांखलो' अेक सफल वात रचना है।

अथवा

राजस्थानी भासा रै प्राचीन गद्य परम्परा में अैतिहासिक गद्य साहित्य री ओळखाणं करावो। 7

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X 3

क. बालाव–बोध अर टब्बा मांय फरक लिखो
ख. प्राचीन राजस्थानी गद्य री विविध विधावां
ग. कुंवरसी सांखलो रो कथा–सार
घ बांकीदास री ख्यात

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II
एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani
पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 06 Course Code: MARJ – 06
प्राचीन अर मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 नीचै लिखी वचनिका री सप्रसंग व्याख्या करो–

गइवर गळइ गळत्थियउ, जहं खंचइ तहं जाइ।
सीह गळत्थण जइ सहइ, तह दह लक्खि विकाई।।
तउ दह लक्खि विकाइ, मोल जाणसी मुहगेरा।
कड़वा कारणि कथिन कोपि खउंदाळिम केरा।।
वेढ कोध पड़ियार, निहसि कहारउ दुहुं करि।
राइ न ग्रहउ नरसिंघ गळइ गळथि जउं गइ वरि।।

अथवा

वैणा पुस्तक धारिणी कासमीर कंदरि वसंति।
गीत नाद गुण गाह दियण देखि कवियणि दियंति।
साइ सारदा संवरी बांधउ ग्रंथ अपार।
सूरति राखउं अचळ कउ खउंदाळिम्म सिकार।।

2 राजस्थानी गद्य रो उद्‌भव किण भांत हुयौ? विद्वाना रे विचारां मुजब काल विभाजन री ओळखांया करावौ?

अथवा

राजस्थानी भासा रो वात साहित्य पर अेक लेख लिखो।

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो।
क मुंहता नैणसी री ख्यात
ख. मारवाड़ री ख्यात
ग. दयाल दास री ख्यात
घ. पृथ्वीराज चन्द्र चरित्र में रितु बरणाव

आन्तरिक मूल्यांकन / सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 07 Course Code: MARJ – 07

साहित्य□ास्त्र अर पाठलोचन

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 भारतीय काव्यसास्त्र रै प्रमुख सिद्धान्तां री ओळखांण करावो। 7

अथवा

साहित्य रै अस्थ अर सरूप रो खुलासो करता हुया पास्चात्य काव्यसास्त्रियां द्वारा थरपीजिया साहित्य–तत्वां री विवेचना करो।

2 अलंकार सम्प्रदाय रै विकास अर निबन्ध लिखो। 7

अथवा

कुंतक रै वक्रोक्तिवाद पर अेक लेख लिखो।

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X 3

क अरस्तु री अनुकृति सिद्धान्त
ख डिंगळ गीतां री विसेसतावां
ग. कवित्त और सवैया छन्द रो उदाहरण सहित उल्लेख
घ. काव्यसास्त्र अर छन्दसास्त्र रौ संबंध

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 07 Course Code: MARJ – 07

साहित्य□ास्त्र अर पाठलोचन

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 काव्यसास्त्र रै अस्थ नैं समझावता हुया भारतीय काव्यसास्त्र रे खास–खास सम्प्रदायां री ओळखांण करावो। 7

अथवा

अरस्तु रै विरेचन सिधांत री विवेचना करो।

2 अभिव्यंजना वाद पर लेख लिखो।

7

अथवा

कविता में छन्द, भासा अर दार्सनिक विचारां मुजब कॉलरिज रै विचारां रो विवेचन करो।

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X 3

क पाठालोचन प्रक्रिया

ख अलंकार अर अलंकार्य में अन्तर

ग. आधुनिक मनोविज्ञान अर जथार्थ

घ. प्रमुख समीक्षक आई.ए.रिचर्ड्स

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –I/Internal Assignment-I

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 08 Course Code: MARJ – 08

राजस्थानी भक्ति साहित्य

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1 बाबा रामदेवजी समाज सुधारक संत हुया है–आप इण बात नै आपरी भासा मांय बखाण करौ। 7

अथवा

निरगुण पंथ री ग्यान मारगी भगती री विसेसतावां बताओ।

2 राम भगती काव्य अर कृष्ण भगती काव्य रै स्रोतां बाबत सविस्तार लिखो। 7

अथवा

संत जसनाथा रा जसनाथी सम्प्रदाय रा योगदान नै अर उणारी वाणियां नै समझावौ?

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X 3

क. अल्लूजी, कविया

ख. जीण माता

ग. पृथ्वीराज राठौड

घ. करणी माता

आन्तरिक मूल्यांकन /सत्रीय कार्य –II/Internal Assignment-II

एम.ए. राजस्थानी (उत्तरार्द्ध) M.A.fInal Rajasthani

पाठ्यक्रम कोड – एमएआरजे – 08 Course Code: MARJ – 08

राजस्थानी भक्ति साहित्य

Max.Marks : 20 **पूर्णांक – 20**

टिप्पणी – प्रश्न 1 व्याख्या परक है तथा प्रश्न 2 विवेचना परक है, जिसकी शब्द सीमा लगभग 500 शब्द हैं । ये दोनों प्रश्न 7 अंक के हैं । प्रश्न 3 में किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं, यह प्रश्न टिप्पणी परक हैं , शब्द सीमा 150 शब्द हैं तथा प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है ।

1. राजस्थान साहित्य रा इतिहास मांय मध्यकाल नै स्वर्णयुग क्यूं कयौ जावे? 7

अथवा

रामस्नेही सम्प्रदाय री जाणकारी देवता थकां इण सम्प्रदाय री च्यारू साखावां री विस्तार सूं जाणकारी

2. सतं हरिदास रो परिचै देवतां थकां 'निरंजनि पंथ' में उणारौ योगदान बतावो। 7

अथवा

राजस्थानी साहित्य नै भगतां अर संतां रो कांई योगदान है? उदाहरणा सू समझावो।

3 नीचै लिख्या किणी दो पर टिप्पणी लिखो। 3X 3

क. आई माता

ख. माधोदास दधबाड़िया

ग. हिंगळाज माता

घ. सांयाजी झूला